पत्र

1. अपने छोटे भाई को उसके जन्मदिन के उपलक्ष्य में बधाई पत्र लिखिए|

प्रिय भाई रौशन,

शुभाशीर्वाद ।

तुम्हारा पत्र मिला । तुमने लिखा कि 15 नवम्बर को मैं राजगीर आऊँ । मुझे याद है कि 15 नवम्बर को तुम्हारा जन्मदिन है और इसीलिए तुमने मुझे घर आने के लिए लिखा है । मैं तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें हार्दिक बधाई देता हूँ । मैं परमेश्वर से यही कामना करता हूँ कि तुम्हारा भावी जीवन मंगलमय एवं सुखद हो । तुम्हारी जीवन - वाटिका में सदैव सुगंधित और मनोहर फूल खिलते रहें । ईश्वर तुम्हारी सारी इच्छाएँ पूरी करें । इस अवसर के उपलक्ष्य में मैं तुम्हारे लिए हिंदी की महत्वपूर्ण काव्य - पुस्तकें उपहारस्वरूप रजिस्टर्ड डाक से भेज रहा हूँ । मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम इन पुस्तकों में निहित ज्ञान-राशि को जीवन में व्यावहारिक रूप में उतारकर अपने जीवन की आदर्श दिशा निर्धारित कर सकोगे । तुम मेरे द्वारा भेजी गई इन पुस्तकों को मेरे आशीर्वाद के रूप में ग्रहण करोगे ।

तुम्हारा अग्रज,

चंदन कुमार

2. अपने मित्र को एक पत्र लिखिए जिसमें वर्तमान बिहार विकास की दशा और दिशा का वर्णन कीजिए|

उत्तर-

प्रिय मित्र अविराज ,

कंकर बाघ, पटना

15.12.2016

मैं यहाँ सकुशल हूँ । आशा करता हूँ, तुम भी सकुशल होगे । तुमने अपने पत्र में वर्तमान बिहार की प्रगति एवं किसान की अद्यतन स्थिति जानने की उत्सुकता प्रकट की है । वर्तमान समय में बिहार का तीव्रतर विकास हो रहा है । कृषि उद्योग , शिक्षा , स्वास्थ्य , सिंचाई , विद्युत उत्पादन , नए कल कारखानों की स्थापना इत्यादि सभी क्षेत्रों में अप्रत्याशित उन्नति एवं विस्तार हुआ है । यहाँ भय का माहौल खत्म हो गया है । बिजली 24 घंटे मिल रही है । हमें लगता है

कि अब हमारा बिहार उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है । तुम भी अपने उत्तराखंड की दशा और दिशा के बारे में बतलाना । बाकी सब ठीक है ।

तुम्हारा मित्र

सुशील

3. मासिक शुल्क माफ़ करने के लिए प्रधानाध्यापक के पास आवेदन पत्र लिखिए|

उत्तर-

सेवा में

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय

पी.सी.पी. इंटर कॉलेज, सोहसराय, नालंदा

द्वारा, वर्ग शिक्षक,

महाशय ,

श्रीमान् से निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय का निर्धन छात्र हूँ । मैं इंटर में पढ़ता हूँ । मेरे पिताजी मजदूरो करते है । अल्प मजदूरी भत्ता मिलने के कारण उन्हें परिवार चलाने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है । हम तीन भाई - बहन हैं । तीनों विभिन्न विद्यालयों में पढ़त हैं । हम तीनों को पढ़ाने में पिताजी को बड़ी कठिनाई हो रही है । मैं पढ़ - लिखकर देश का सुयोग्य नागरिक बनना चाहता हूँ । आपकी कृपा के बिना ऐसा संभव होता नहीं दीखता । अतः श्रीमान् से करबद्ध प्रार्थना है कि मेरा मासिक शुल्क माफ कर मुझे शिक्षित होने का सअवसर प्रदान करें । इसके लिए मैं आपका सर्वदा आभारी रहूँगा ।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

नीतीश कुमार

दिनांक 15 दिसम्बर 2016

वर्ग- XII

क्रमांक -40

4. अपने प्रधानाचार्य के पास एक आवेदन पत्र लिखें जिसमें जिम सामग्री उपलब्ध कराने की प्रार्थना की गयी हो |

उत्तर-

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय

म०रा०ना०पु० उच्च विद्यालनय

सकसोहरा, पटना

विषय : खेल सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में ।

महाशय,

निवेदनपूर्वक कहना यह है कि इस विद्यालय में करीब एक हजार विद्यार्थी है । इस विद्यालय में एक बड़ा खेल का मैदान भी है । लेकिन खेल - उपकरण एवं खेल - सामग्री उपलब्ध नहीं है । अतः श्रीमान् से निवेदन है कि क्रिकेट , हॉकी , फुटबॉल , लूडो आदि आम खेलकूद के सामान शीघ्र उपलब्ध करा दिए जाएँ । उत्तम स्वास्थ्य के लिए खेल अनिवार्य है । उत्तम पढ़ाई के लिए भी खेल अनिवार्य है । राष्ट्र के लिए तेजस्वी खिलाड़ी पैदा हो , इसलिए हम सब के लिए पढ़ाई के साथ - साथ खेलकूद करना भी अनिवार्य है । आशा करता हूँ कि हम छात्रों के निवेदन को मानने की कृपा करेंगे ।

19.12.2016 भवदीय

छात्र एवं छात्रागण

5. बाढ़ की समस्या से निजत के लिए मुख्यमंत्री के नाम एक पत्र लिखिए|

उत्तर-

माननीय मुख्यमंत्री

बिहार सरकार

आपसे नम्र निवेदन है कि पटना जिले में मुहाने नदी के किनारे कड़ा गाँव में मेरा घर है । यह गाँव नदी के किनारे है । आशंका है कि यह गाँव संभावित बाढ़ में जलमग्न हो सकता है । आपसे अनुरोध है कि इस स्थान पर 3 किलोमीटर क्षेत्र में एक बाँध बनाने का आदेश प्रदान करें ताकि आसपास के गाँव भी बाढ़ से सुरक्षित हो जाएँगे । अतः आपसे सादर निवेदन है कि बाँध बनवाने की संस्तुति प्रदान कर हम क्षेत्रवासियों को बाढ़ की समस्या से निजात दिलाएँ ।

भवदीय

कड़रा निवासी, पटना

6. काव्य गोष्ठी में आमन्त्रित किए जाने पर मित्र को धन्यवाद प्रकट करते हुए एक पत्र लिखिए|

उत्तर-

5 विकास नगर,

सीतापुर।

दिनांक 4-3-2020

मित्रवर राकेश जी,

सप्रेम नमस्ते।

आपका पत्र आज प्राप्त हुआ। यह बहुत ही खुशी की बात है कि आप अपने निवास स्थान पर कवि गोष्ठी कराने जा रहे हैं। मैं वहाँ अवश्य ही आऊँगा। स्थानीय कवियों के अतिरिक्त और कौन-कौन से कवि आ रहे हैं? मयंक जी को आमन्त्रित किया है या नहीं? यदि किसी चीज़ की आवश्यकता हो तो मुझे अवश्य लिखें; मैं उसकी व्यवस्था कर लूगाँ। यहाँ पर सब कुशल मंगल है। आशा है कि आप भी स्वस्थ एवं सानन्द होंगे।

आपका मित्र

मुनीश कुमार

7. अपनी छोटी बहन को समय का सदुपयोग करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर-

18, जीवन नगर,

गाजियाबाद।

दिनांक 19-3-2020

प्रिय कुसुमलता,

शुभाशीष।

आशा करता हूँ कि तुम सकुशल होगी। छात्रावास में तुम्हारा मन लग गया होगा और तुम्हारी दिनचर्या भी नियमित चल रही होगी। प्रिय कुसुम, तुम अत्यन्त सौभाग्यशाली लड़की हो जो तुम्हें बाहर रहकर अपना जीवन संवारने का अवसर प्राप्त हुआ है, परन्तु वहाँ छात्रावास में इस आज़ादी का तुम दुरुपयोग मत करना। बड़ा भाई होने के नाते मैं तुमसे यह कहना चाहता हूँ कि तुम समय का भरपूर सदुपयोग करना। तुम वहाँ पढ़ाई के लिए गई हो। इसलिए ऐसी दिनचर्या बनाना जिसमें पढ़ाई को सबसे अधिक महत्त्व मिले। यह सुनहरा अवसर जीवन में फिर वापस नहीं आएगा। इसलिए समय का एक-एक पल अध्ययन में लगाना| मनोरंजन एवं व्यर्थ की बातों में ज़्यादा समय व्यतीत न करना। अपनी रचनात्मक रुचियों का विस्तार करना। खेल-कूद को भी पढ़ाई जितना ही महत्त्व देना। आशा करता हूँ तुम मेरी बातों को समझकर अपने समय का उचित प्रकार सदुपयोग करोगी तथा अपनी दिनचर्या का उचित प्रकार पालन करके परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करोगी। शुभकामनाओं सहित।

तुम्हारा भाई,

कैलाश

8. अपने मित्र को वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान पर उत्तीर्ण होने के उपलक्ष्य में बधाई पत्र लिखिए।

उत्तर-

40/3, नेहरू विहार,

झाँसी।

दिनांक 16-3-2020

प्रिय मित्र शेखर,

15 मार्च, 20xx के समाचार-पत्र में तुम्हारी सफलता का सन्देश पढ़ने को मिला। यह जानकर मुझे बहुत खुशी हुई कि तुमने जिला स्तर पर 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

प्रिय शेखर, मुझे तुम से यही आशा थी। तुम्हारी पढ़ाई के प्रति निष्ठा और लगन को देखकर मुझे पूर्ण विश्वास हो गया था कि 12वीं कक्षा की परीक्षा में तुम अपने विद्यालय तथा परिवार का नाम अवश्य रोशन करोगें। परमात्मा को कोटि-कोटि धन्यवाद कि उसने तुम्हारे परिश्रम का उचित फल दिया है।

मेरे दोस्त, अपनी इस शानदार सफलता पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मैं उस परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि जीवन में सफलता इसी प्रकार तुम्हारे चरण चूमती रहे तथा तुम जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर रहो। मुझे पूरी आशा है कि इसके पश्चात् होने वाली कॉलेज की आगामी परीक्षाओं में भी तुम इसी प्रकार उच्च सफलता प्राप्त करोगे तथा जिनका परिणाम इससे भी शानदार रहेगा। मेरी शुभकामनाएँ सदैव तुम्हारे साथ हैं।

शुभकामनाओं सहित।

मोहन राकेश

9. अपने परिवार से दूर रहकर नौकरी कर रहे पिता का हाल-चाल जानने के लिए पत्र लिखिए।

उत्तर-

20/3, रामनगर,

कानपुर।

दिनांक 15-3-2020

पूज्य पिताजी,

सादर चरण-स्पर्श

कई दिनों से आपका कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ। हम सब यहाँ कुशलपूर्वक रहकर भगवान से आपकी कुशलता एवं स्वास्थ्य के लिए सदा प्रार्थना करते हैं। पिताजी, मैंने घर की सारी ज़िम्मेदारियाँ सम्भाल ली हैं। घर एवं बाहर के अधिकांश काम अब मैं ही करता हूँ। सलोनी आपको बहुत याद करती है। वह हर समय पापा-पापा की रट लगाए रहती है। इस बार घर आते समय उसके लिए गुड़ियों का उपहार लेते आइएगा। आप अपनी सेहत का

ख्याल रखना। समय पर खाना, समय पर सोना। यदि आपको स्वास्थ्य में तनिक भी गड़बड़ी महसूस हो तो डॉक्टर से परामर्श कर तुरंत ही अपना उचित इलाज करवाना। आपके पत्र के जवाब के इन्तज़ार में।

विजय मोहन

10. अपने मुहल्ले के पोस्टमैन की कार्यशैली का वर्णन करते हुए पोस्टमास्टर को शिकायती पत्र लिखिए।

उत्तर-

15, दूंगाधारा,

अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)।

दिनांक 13-4-2020

सेवा में,

पोस्ट मास्टर,

उप-डाकघर पोखर खाली, अल्मोड़ा।

महोदय,

मैं आपका ध्यान मुहल्ला दूंगाधारा के पोस्टमैन की कर्तव्य-विमुखता की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस मुहल्ले के निवासियों की शिकायत है कि यहाँ डाक कभी भी समय से नहीं बँटती है। अतः यहाँ के निवासियों को बड़ी असुविधा है। आपसे निवेदन है कि इस मामले की जानकारी प्राप्त करके उचित कार्यवाही करने की कृपा करें, ताकि इस समस्या का निराकरण हो सके।

सधन्यवाद!

भवदीय

प्रमोद पन्त

11. अपने गाँव में पाठशाला खुलवाने हेतु जिला परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

नारायणपुर,

उत्तर-

बहराइच (उ.प्र.)।

दिनांक 15-4-2020

सेवा में,

अध्यक्ष महोदय,

जिला परिषद्,

बहराइच।

विषय अपने गाँव में पाठशाला खुलवाने हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे गाँव में एक प्राइमरी पाठशाला की बड़ी आवश्यकता है। गाँव के आस-पास दो मील तक कोई विद्यालय न होने से बहुत से बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। सुदूर विद्यालय जाने में छोटे-छोटे बच्चों को बड़ी परेशानी होती है। हमारे गाँव की जनसंख्या भी अच्छी है। अतः आपसे प्रार्थना है कि हमारे गाँव में एक प्राइमरी पाठशाला स्थापित करने की कृपा करें, ताकि हमारे गाँव के तथा आस-पास के ग्रामवासी बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सकें। हमें आशा ही नहीं, वरन् पूर्ण विश्वास है कि आप इस विषय पर सहानुभूतिपूर्ण विचार करके हमारे गाँव में एक प्राइमरी पाठशाला स्थापित कराएँगे।

सधन्यवाद।

भावदीय

दिनेश